

प्रेषक,

डी०एस० गर्बाल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,
अर्द्ध कुम्भ मेला-2016,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक: अक्टूबर, 2015

विषय-अर्द्ध कुम्भ मेला-2016 की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत काली मन्दिर से चण्डीदेवी पैदल मार्ग की मरम्मत कार्य के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-554/अ०कु०मे०/वन०वि०/चण्डीदेवी पैदल मार्ग, दिनांक 31.08.2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अर्द्ध कुम्भ मेला-2016 की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत काली मन्दिर से चण्डीदेवी पैदल मार्ग की मरम्मत कार्य के सम्बन्ध में प्रभागीय वनाधिकारी, हरिद्वार द्वारा उपलब्ध कराये गये आगणन रू० 4.07 लाख के सापेक्ष टी०ए०सी० परीक्षण के उपरान्त पायी गयी औचित्यपूर्ण धनराशि रू० 3.56 लाख (रू० तीन लाख छप्पन हजार मात्र) पर वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुये समस्त धनराशि रू० 3.56 लाख (रू० तीन लाख छप्पन हजार मात्र) भारत सरकार से प्राप्त होने वाली धनराशि की स्वीकृति की प्रत्याशा में आपके निर्वर्तन पर रखते हुये व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (i) भारत सरकार से प्राप्त धनराशि की प्रथम किश्त से ही उक्त धनराशि का समायोजन सुनिश्चित करेंगे।
- (ii) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
- (iii) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (iv) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि की स्वीकृति गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (v) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित किया जाएगा।
- (vi) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।

१

- (vii) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (viii) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।
- (ix) आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि वित्त विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप पर कार्यदायी संस्था से एमओयू कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व करा लिया गया है। स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय व कार्य निश्चित समयावधि में पूर्ण किया जाय।
- (x) निर्माण कार्य का पुनरीक्षण नहीं किया जाएगा तथा कार्य की थर्ड पार्टी क्वालिटी चैकिंग कराई जाएगी।
- (xi) आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्णरूप से उत्तरदायी होगी।
- (xii) अस्वीकृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाएगी। साथ ही यह परिवर्तन स्वीकृत धनराशि की सीमान्तर्गत ही किया जाएगा।
- (xiii) प्रश्नगत कार्य का गहन निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण वन विभाग द्वारा भी किया जाएगा।

3- उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, वित्तीय हस्त पुस्तिका व बजट मैनुअल के अनुसार किया जाय।

4- इस सम्बन्ध में होने वाले व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 की अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-4217- शहरी विकास पर पूंजीगत परिव्यय-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित-0107-अर्द्ध कुम्भ मेला, 2016 की मानक मद संख्या-35-पूँजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान के नामे खाला जाएगा।

5- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-674/XXVII(2)/2015, दिनांक 6 नवम्बर, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

6- एलॉटमेंट आईडी संख्या-एस01511130050 एवं एच01511130433 दिनांक 6 नवम्बर, 2015 के द्वारा उक्त धनराशि ऑनलाइन रूप से अवमुक्त की गई है।

भवदीय,

(डी०एस० गब्याल)
सचिव।

संख्या- 1571/IV-3/2015-04(86)/2015, तददिनांक:

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस, सी0-1/105, इन्दरा नगर, देहरादून।
3. प्रमुख सचिव, वन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
6. प्रमुख वन संरक्षक, वन विभाग, देहरादून।
- ✓ 7. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. प्रभागीय वनाधिकारी, वन प्रभाग, हरिद्वार।
9. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
10. वित्त अनुभाग-2
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,



(रईस अहमद)

अनु सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Urban Development (S054)

आवंटन पत्र संख्या - 1571/15-04(86)2015

अनुदान संख्या - 013

अलोटमेंट आई डी - S1511130050

आवंटन पत्र दिनांक - 06-Nov-2015

HOD Name - Secretary, Urban Development (Grants) (9005)

1: लेखा शीर्षक

4217 - शहरी विकास पर पूंजीगत परिव्यय

800 - अन्य व्यय

07 - अर्धकुम्भ मेला, 2016

03 - छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास

01 - केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र पुरोनिधानित

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted
			योग
35 - पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन	1653948000	356000	1654304000
	1653948000	356000	1654304000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

356000

(सचिव, अहमदाबाद)
शहरी विकास विभाग
अहमदाबाद

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Urban Development (Grants) (9005)

आवंटन पत्र संख्या - 1571/15-04(86)2015

अनुदान संख्या - 013

अलोटमेंट आई डी - H1511130433

आवंटन पत्र दिनांक - 06-Nov-2015

DDO Name - Meladhikari KumbhHaridwar (2871) , Treasury - Haridwar (6500)

1: लेखा शीर्षक 4217 - शहरी विकास पर पूंजीगत परिव्यय 03 - छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास
800 - अन्य व्यय 01 - केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र पुरोनिधानित
07 - अर्धकुम्भ मेला, 2016

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted
			योग
35 - पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन	1588568000	356000	1588924000
	1588568000	356000	1588924000

Total Current Allotment To DDO In Above Schemes -

356000

Raj
(रविश अहंगर)
उप सचिव,
शहरी विकास विभाग,
उत्तराखण्ड सरकार।